

# Maharashtra State Board Class 10 Hindi Lokbharti Chapter 4 मन

## Hindi Lokbharti 10th Std Digest Chapter 4 मन Textbook Questions and Answers

### कृति

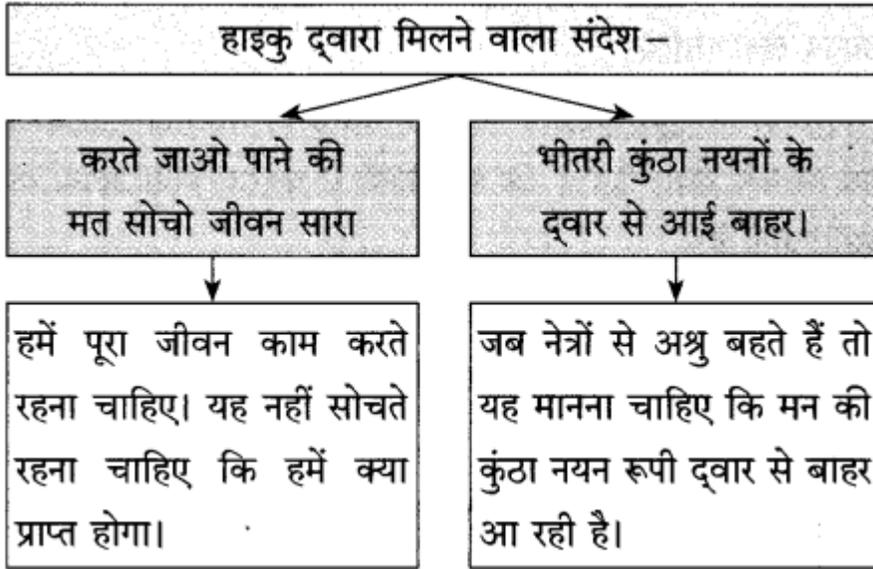
सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

प्रश्न 1.

लिखिए:

हाइकु द्वारा मिलने वाला संदेश	
करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा।	भीतरी कुंठा नयनों के द्वार से आई बाहर।

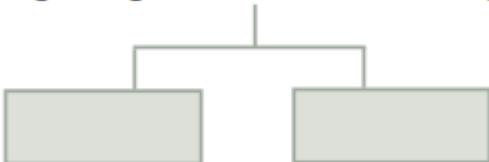
उत्तर:



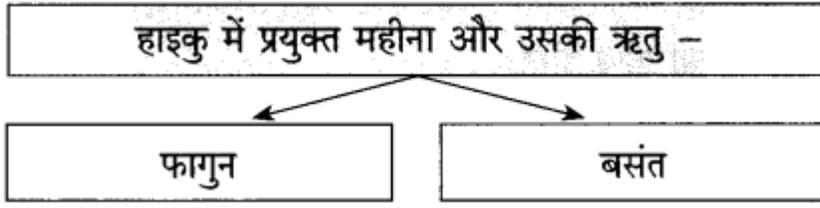
प्रश्न 2.

कृति पूर्ण कीजिए:

हाइकु में प्रयुक्त महीना और उसकी ऋतु



उत्तर:



प्रश्न 3.

उत्तर लिखिए:

- मँझधार में डोले ---
- छिपे हुए ---
- धुल गए ---
- अमर हुए ---

उत्तर:

- मँझधार में डोले - जीवन नैया।
- छिपे हुए सितारे
- घुल गए विषाद
- अमर हुए गीतों के स्वर।

प्रश्न 4.

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए:

- चलतीं साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन।
- काँटों के बीच खिलखिलाता फूल देता प्रेरणा।

उत्तर:

- रेल की पटरियाँ अनंत काल से साथ चल रही हैं, परंतु वे सदा मौन रहती हैं। एक-दूसरे से कभी बात नहीं करती।
- गुलाब का फूल काँटों के बीच भी हँसता है, खिलखिलाता है। वह हमें हर पल प्रेरणा देता है कि हमें परेशानियों से घबराए बिना अपना काम करते जाना है।

## उपयोजित लेखन

वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र/सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है, उसे धन्यवाद देते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए:

दिनांक: .....

संबोधन: .....

अभिवादन: .....

प्रारंभ:

विषय विवेचन:

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

तुम्हारा/तुम्हारी,

.....

नाम: .....

पता: .....

ई-मेल आईडी: .....

उत्तर:

दिनांक: 25/8/20

प्रिय अविनाश,

नमस्ते!

तुम्हारा पत्र अभी-अभी मिला। धन्यवाद।

अंतर विद्यालय वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के लिए तुम्हारा बधाई-पत्र मिला। पत्र पाकर दिल गदगद हो गया। वास्तव में मेरी इस सफलता में तुम जैसे मित्रों का मुझे सदा उत्साह दिलाते रहने का बड़ा हाथ है। तुम तो जानते हो, मंच पर बोलने में मुझे कितनी झिझक होती थी।

पर तुम जैसे मित्रों और हमारे कक्षा अध्यापक के निरंतर प्रोत्साहन से आज मुझे अंतर विद्यालय वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने का अवसर मिला है। में इसके लिए तुम जैसे अपने सभी मित्रों और अपने कक्षा अध्यापक नरेश कौशल जी का तहे दिल से आभारी हूँ।

मेरा, उत्साह बढ़ाने के लिए धन्यवाद!

तुम्हारा मित्र

राजेश शर्मा।

17, विमल मेशन,

महात्मा गांधी रोड,

औरंगाबाद।